Year-5 Volume: III, July-September, 2023 Issue-19 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

5. यू-ट्यूब पर उपलब्ध शैक्षणिक सामग्री का स्कूली छात्रों पर प्रभाव: एक अध्ययन

1. निरंजन कुमार
पीएच.डी. शोधार्थी; पत्रकारिता एवं नवीन मीडिया अध्ययन विद्यापीठ,
इग्नू, नई दिल्ली
Email: niranjanignou2009@gmail.com
2. डॉ. रमेश यादव
सह आचार्य; पत्रकारिता एवं नवीन मीडिया अध्ययन विद्यापीठ
इग्नू, नई दिल्ली

शोध सारांश

यू-ट्यूब, सोशल मीडिया के रूप में एक शक्तिशाली प्लेटफोर्म है जो पहुंच, जुड़ाव, वैयक्तिकरण और सहयोग को बढ़ाकर शिक्षा में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। वर्त्तमान में डिजिटल मीडिया का उपयोग शिक्षा के हर स्तर व क्षेत्र में व्यापक रूप से किया जा रहा है. इसमें प्री-स्कूलिंग से लेकर यूनिवर्सिटी तक की शिक्षा शामिल है. और इस सब के लिये हर डिजिटल माध्यम में शिक्षा सामग्री का प्रस्तुतकर्ता सोशल मीडिया का खूब इस्तेमाल करता है जिसमें यू-ट्यूब प्र मुख्य मीडिया प्लेटफार्म है.

कई शोधों और समीक्षाओं से यह साबित हुआ है कि यू-ट्यूब जैसे मीडिया प्लेटफार्म शिक्षा को बेहतर और व्यापक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं. यह सीखने और सिखाने की पूरी प्रक्रिया को बेहतर बनाने में सहायक हो रहा है और अंततः इसका लाभ हर तरह के जरूरतमंद शिक्षार्थियों को मिल पा रहा है। और इस सब के लिये जो माध्यम सबसे ज्यादा उपयोगी और प्रभावशाली है उसे दृश्य-श्रव्य शैक्षणिक सामग्री यानि शैक्षणिक वीडियो के रूप में जाना जाता है. यह शोध पत्र भी इसी शैक्षणिक वीडियो की स्कूली बच्चों द्वारा ऑनलाइन इस्तेमाल करने के कारण और उसकी उपयोगिता की परताल कर रहा है.

यह अध्ययन सर्वेक्षण विधि से प्राप्त डेटा के संख्यात्मक विश्लेषण के आधार पर संपन्न हुआ है. जिसमें 76 से ज्यादा उत्तरदाताओं के जवाब का विश्लेषण कर निष्कर्ष तक पहुंचा गया है. इस अध्ययन के नतीजे बताते हैं कि शिक्षा के क्षेत्र में उन शैक्षणिक वीडियो की बहुत अहम भूमिका है जो ऑनलाइन छात्रों को उपलब्ध हो रहें हैं. खास करके वह वीडियो जो प्रोफेशनल संस्थानों द्वारा वर्नाकुलर भाषा में बनाये जा रहे हैं.

महत्वपूर्ण शब्द- शैक्षणिक वीडियो, यू-ट्यूब, सोशल मीडिया, डिजिटल मीडिया

The Asian Thinker

Year-5 Volume: III, July-September, 2023 Issue-19 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

प्रस्तावना

इस 21वीं सदी में "प्रौद्योगिकी" शब्द एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में उभरा है जिसका असर कई क्षेत्रों के आलावा शिक्षा के क्षेत्र में भी व्यापक है. फलस्वरूप अधिकांश देशों में प्रौद्योगिकी ज्ञान हस्तांतरण करने का सबसे महत्वपूर्ण जरिया बन गया है। वर्त्तमान में प्रौद्योगिकी एकीकरण ने नवाचारों को जन्म दिया है जिसने हमारे समाज को बदला है. लोगों के सोचने, काम करने और रहने के तरीके को बदला है (ग्रेबे, 2007)। प्रौद्योगिकी के रूप में आईसीटी ने एक बड़ी भूमिका को निभाते हुए स्कूलों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों के, जो छात्रों को "एक ज्ञानवान समाज" में रहने के लिए तैयार करते हैं, उद्देश्यों और सपनों को साकार किया है. (घविफेक्र, अफशारी और अमला सल्लेह, 2012)

आज अधिकांश छात्र मोबाइल फोन, टैबलेट, कंप्यूटर परयूट्यूब, फेसबुक, ट्विटर, ब्लॉग और विकी सहित कई तरह के डिजिटल मीडिया के साथ बड़े हुए हैं। प्रेंस्की (2010) और टैपस्कॉट (2008) का तर्क है कि न केवल ऐसे छात्र पिछली पीढ़ियों की तुलना में ऐसी तकनीकों का उपयोग करने में अधिक कुशल हैं, बल्कि वे अलग तरह से सोचते भी हैं। हालाँकि, यह समझना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है कि ऐसे बच्चे एक छात्र के रूप में इन मीडिया और नई प्रौद्योगिकियों का उपयोग कैसे करते हैं? माना जाता है कि इसके लिये काफी हद तक सामाजिक और व्यक्तिगत जरूरतें उसे प्रेरित करती है. जिसके लिये शैक्षणिक माहौल के आलावा शिक्षक और खुद छात्र ही इसके लिये उत्प्रेरक होते हैं, जब छात्र देखते हैं कि डिजिटल मीडिया का उपयोग सीधे उनकी पढ़ाई में मदद कर सकता है।

सोशल मीडिया पर उपलब्ध सबसे महत्वपूर्ण शैक्षणिक सामग्री के रूप में दृश्य-श्रव्य (वीडियो) सामग्री होता है. जिसकी प्रस्तुति और प्रयोग ही डिजिटल मीडिया को शिक्षा के क्षेत्र में अद्वितीय बनाता है. टेक्स्ट या ऑडियो की तुलना में वीडियो एक अधिक समृद्ध माध्यम है क्योंकि टेक्स्ट और ध्वनि प्रदान करने के अलावा यह गतिशील या चलती-फिरती तस्वीरें भी पेश करता है। इस चलते-फिरते तस्वीर में टेक्स्ट, ग्राफ़िक, एनीमेशन आदि सभी होते हैं जो दृश्यात्मक और संज्ञात्मक रूप से किसी भी शैक्षणिक वीडियो की उसकी अनूठी विशेषताओं को प्रस्तुत करते हैं। (बेट्स, 1985; 2005; कौमी, 2006)

वीडियो को रोकने, रिवाइंड करने और दोबारा चलाने की क्षमता छात्रों को सीखने और उसको अपने कौशल को बढ़ाने के लिए बहुत लाभकारी होता है. इन्हीं कुशलताओं के कारण आज छात्र शैक्षिक वीडियो का उपयोग सब कुछ सीखने के लिए एक उपकरण के रूप में कर रहे हैं. बुनियादी कौशल से लेकर टायर बदलने व नवीनतम नृत्य को सीखने तक (ब्लॉग, नेक्स्ट थॉट-2023)। उल्लेखनीय रूप से, 2022 में दुनिया भर में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं के बीच ऑनलाइन वीडियो की दर्शकों तक पहुंच लगभग 93% थी (स्टेटिस्टा, 2022)। फलस्वरूप जिन विषय जो कभी पढ़ाना और सीखना कठिन लगता था, अब ऑनलाइन सीखने के लिए प्रभावी शैक्षिक वीडियो प्लेटफार्मों की उपलब्धता के कारण यह अधिक सुलभ और समझने योग्य है। अध्ययनों से पता चला है कि लघु वीडियो क्लिप का उपयोग अधिक कुशल प्रसंस्करण और मेमोरी रिकॉल की अनुमति देता है। वीडियो की दृश्य और श्रवण प्रकृति व्यापक दर्शकों को आकर्षित करती है और प्रत्येक उपयोगकर्ता को

Year-5 Volume: III, July-September, 2023 Issue-19 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

जानकारी को इस तरह से संसाधित करने की अनुमति देती है जो उनके लिए स्वाभाविक है। संक्षेप में, वीडियो अच्छे शिक्षक होते हैं। शिक्षण और सीखने में वीडियो का उपयोग न केवल छात्रों, बल्कि शिक्षकों, उनके संबद्ध संस्थानों और संपूर्ण स्कूल प्रणाली को भी लाभान्वित करता है। सॉफ्टवेयर कंपनी कल्टुरा द्वारा किए गए 2022 के एक अध्ययन ने निष्कर्ष निकाला कि 97% शिक्षा पेशेवरों का मानना है कि वीडियो छात्रों के शैक्षणिक क्रियाकलापों और अनुभवों के लिए आवश्यक है।(ब्लॉग, नेक्स्ट थॉट-2023)

आज इंडिया में कई ऐसे प्लेटफार्म हैं जो ऑनलाइन शिक्षा उपलब्ध करा रहे हैं. जिसमें बायजू, अनअकैडेमी, वेदान्तु, वाइटहट जूनियर, के 8 स्कूल, मेरिट नेशन, एक्स्ट्रा मार्क्स, टॉपर, क्लास साथी और टेड-ऐड@होम आदि जैसे प्राइवेट संस्थान के साथ-साथ पब्लिक संस्थान जैसे एनओआईएस भी प्रोफेशनल तौर स्कूली शिक्षा के लिये वीडियो सामग्री उपलब्ध कराते हैं इसके आलावा बहुत सारे शिक्षक और व्यक्ति भी वीडियो के द्वारा ऑनलाइन शिक्षा में अग्रसर हैं.

के पी एम जी और गूगल (2017) ने एक अध्ययन में 2021 में इंडिया के ऑनलाइन एजुकेशन का एक खाका प्रस्तुत किया था जिसमें बताया गया था कि प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा का बाजार 2021 तक 773 मिलियन डॉलर के आस-पास का होगा जबकि 2016 में यही बाजार मात्र 73 मिलियन डॉलर का था. इससे आज के वर्त्तमान का अंदाजा लगाया जा सकता है. बायजू (2020) का आकडा प्रदर्शित करता है कि 6 मिलियन से अधिक नए छात्रों ने बायजूज - द लर्निंग ऐप का उपयोग किया। जो अप्रैल 2020 में बढ़कर 7.5 मिलियन से अधिक हो गई। कुल मिलाकर 13.5 मिलियन नए छात्र लॉकडाउन के शुरुआती दो महीनों-मार्च और अप्रैल में मंच का उपयोग कर रहे थे। और हर गुजरते दिन के साथ ये संख्या लगातार बढ़ती जा ही जा रही थी।

ऐसे में वीडियो शिक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। यह पारंपरिक पाठ्यक्रमों के साथ-साथ कई मिश्रित पाठ्यक्रमों की आधारशिला के रूप में कार्य करता है और अक्सर एमओओसी में मुख्य सूचना वितरण तंत्र का हिस्सा होता है। कई मेटा-विश्लेषणों का कहना है कि प्रौद्योगिकी सीखने की प्रक्रिया और प्रवृति को बढ़ाती है (श्मिड एट अल., 2014) और कई अध्ययनों से पता चला है कि वीडियो विशेष रूप से एक अत्यधिक प्रभावी शैक्षणिक उपकरण हो सकता है (एलन और स्मिथ, 2012)।

वर्त्तमान में शिक्षा के हर स्तर पर सोशल मीडिया ने अलग-अलग तरह के शैक्षणिक सामग्रियों को उपलब्ध करा कर शिक्षा के हर स्तर, विषय और क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है. जिसमें उच्च और प्रतियोगी शिक्षा ही नहीं बल्कि स्कूली शिक्षा भी शामिल है. स्कूली शिक्षा जिसे किसी सरकारी या मान्यता प्राप्त बोर्ड बिलकुल औपचारिक रूप से संचालित करता है तथा अध्ययन से जुड़ी सारी सामग्री प्रमाणिक स्रोत से उपलब्ध करता है. ऐसे में ऑनलाइन मीडिया पर प्रमाणिक और गैर प्रमाणिक स्रोतों से उपलब्ध सबसे महत्वपूर्ण शैक्षणिक सामग्री, 'वीडियो' का उपयोग स्कूली बच्चों द्वारा कैसे, कितना और क्यों किया जा रहा है? इसे जानने का प्रयास यह शोध अध्ययन करता है. इस शोध के द्वारा हम मधामिक स्तर के स्कूली

Year-5 Volume: III, July-September, 2023 Issue-19 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

बच्चों के ऑनलाइन प्लेटफार्म पर शैक्षणिक वीडियो के द्वारा पढ़ने और सीखने की प्रवृति का पाता लगायेंगे और यह भी जानने और समझने की कोशिश करेंगे कि क्या जरुरत और मांग के अनुरूप वीडियो की उपलब्धता ऑनलाइन प्लेटफार्म पर है या नहीं.

शैक्षिक वीडियो स्कूल जाने वाले छात्रों के लिए सीखने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है यह कई शोधों से स्थापित हो चूका है। परन्तु ज्यादातर शोध कोविड महामारी के दौरान किये गये है. ऐसे में मेरा यह शोध पोस्ट-कोविड ऑनलाइन वीडियो के द्वारा पढ़ने के सन्दर्भ में महत्वपूर्ण जानकारियों को प्रस्तुत करेगा.

साहित्य समीक्षा

दृश्य-श्रव्य मीडिया वह मीडिया है जिसे वीडियो की तरह देखा और सुना जाता है। इस तरह के सभी मीडिया का उपयोग शिक्षक व छात्रों द्वारा शैक्षणिक आवश्यकताओं की पूर्ति करने और सीखने के उद्देश्यों के लिये किया जाता है। स्याथ्रोह और मुस्तफा (2019) के अनुसार, निर्देशात्मक मीडिया के द्वारा पाठ्य सामग्री, एनीमेशन, वीडियो और चित्र प्रस्तुत किया जाता है। प्रस्तुति के संयोजन से यह अपेक्षा की जाती है कि शिक्षार्थी उससे अधिक से अधिक सीखने के लिये प्रेरित होंगे और वह कम से कम उबाऊ होगा। सम्बंधित अध्ययन में पाया गया कि मीडिया के उपयोग से शिक्षक को प्राथमिक विद्यालयों में अंग्रेजी सामग्री पहुंचाने में आसानी होती है। इतना ही नहीं सीखने की गतिविधियों को अधिक मनोरंजक, प्रभावी और व्यापक भी यह बनाता है साथ ही इससे छात्रों का ध्यान आकर्षित करने में भी मदद मिलती हैं। सनाकी (2009) को कोट को उद्धृत करते हुये पुस्पिटारिनी और हनीफ (2019) कहते हैं कि निर्देशात्मक मीडिया के रूप में वीडियो शिक्षार्थियों को कई लाभ देता है जिसमें इससे सीखने की प्रक्रिया बहुत मजेदार और दिलचस्प हो जाती है . सीखने की सामग्री को इसके द्वारा स्पष्टता से प्रस्तुत किया जाता है, ताकि छात्र सामग्री को आसानी से समझ सकें और सीखने के अपने उद्देश्यों को आसानी से हासिल कर पायें. इतना ही नहीं दृश्य-श्रव्य मीडिया सीखने की प्रक्रिया अधिक विविध बनाता है, न केवल मौखिक रूप से बल्कि तुरंत मीडिया को देख और सुनने के स्तर पर भी. इससे छात्र को शिक्षक द्वारा प्रस्तुत सामग्री को समझने में आसानी होती है फलस्वरूप वह अधिक से अधिक चीजों को सीखने की कोशिश करता है.

सीखने के इसी प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुये, उटामी, फौजियाती (2019) ने वीडियो के प्रभाव को उम्र के स्तर पर वर्णित किया है जिसके लिये युवा शिक्षार्थियों को उनके उम्र के तीन समूहों में वर्गीकृत कर उनका अध्ययन किया. जिसमें पहला प्रीस्कूल दूसरा प्राथमिक विद्यालय के छात्र और तीसरा प्रारंभिक किशोर थे। प्रीस्कूल में 3-5 साल के बच्चे शामिल किये गये जबकि प्राथमिक स्कूल के 6-12 साल के बच्चे शामिल थे और शुरुआती किशोरावस्था में वह बच्चे थे जिन्होंने प्राथमिक स्कूल छोड़ दिया था। काहयाति, परमावती, और आत्मविद्जा (2019) ने अपने अध्ययन में युवा शिक्षार्थी का उल्लेख करते हुये लिखा कि एक युवा शिक्षार्थी की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता उनकी सक्रिय होने की प्रवृत्ति होती है. अतः शिक्षकों को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि कौन से बच्चे की सक्रियता और निष्क्रियता कितनी है। क्योंकि आम तौर

Year-5 Volume: III, July-September, 2023 Issue-19 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

पर बच्चों की विशेषता का निर्धारण उनकी उच्च स्तर की गतिविधि और जिज्ञासु होने की प्रवृत्ति के आधार पर किया जाता है. वीडियो से अध्ययन करने के सन्दर्भ में सबसे तेज और सक्रिय बच्चा भी अपना ध्यान केवल 15 से 20 मिनट तक ही एकाग्रः हो कर लगा पाता है. बच्चों की यह प्रवृति उन वयस्कों से बहुत अलग है जो घंटों तक सीखने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। इसीलिए युवा शिक्षार्थी को शिक्षकों द्वारा सीखने के माहौल को सुखद बनाना चाहिए।

ई-लर्निंग में निर्देशात्मक मीडिया को एक ऐसे तरीके के रूप में देखा जा सकता है जिसमें विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक स्रोतों के माध्यम से शिक्षार्थियों तक जानकारी पहुंचाई जाती है (मेयर, 2014)। सीखने के दृष्टिकोण से सामग्री वितरणकर्ता के रूप में विजुअल मीडिया इस बात पर गहरा प्रभाव डाल सकता है कि शिक्षार्थी सामग्री को कैसे संसाधित करते हैं और अंततः सामग्री को कितना समझते और उससे सिखते हैं। मीडिया का प्रभावी उपयोग रुचि, जुड़ाव और प्रेरणा के तत्वों को बढ़ाने में बहुत योगदान देता है और अंततः ई-लर्निंग वातावरण में समझने की प्रक्रिया की कमी को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है (कॉस्टली एंड लैंग, 2017 ए; मेयर, 2014)। वीडियो सामग्री द्वारा सीखने के किसी भी नकारात्मक प्रभाव का कारण में सामग्री की गुणवत्ता और उसकी प्रस्तुति से सम्बंधित समस्या होती है जिसके कारण अध्ययन के दौरान शिक्षार्थियों का ध्यान बटता है और वह पूरी तरह से सामग्री को संसाधित करने के प्रयास में विफल हो जाते हैं (मेयर, 2014; मोलनार, 2017)। गति, सुगमता, गुणवत्ता, विविधता और अनुरूपता सहित विभिन्न मीडिया कारक अप्रभावी रूप से उपयोग किए जाने पर वह सीखने की समस्याओं से जुड़े कारक को बढ़ता है.

वीडियो व्याख्यान के भीतर मीडिया की गुणवत्ता, वीडियो व्याख्यान की प्रस्तुति और डिजाइन की उपस्थिति का प्रतिनिधित्व करती है. पर बहुत हद तक यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि वीडियो को अपनी किस जरुरत की पूर्ति के लिये और कैसे देखता है (हेरी बानोवा एट अल, 2011)। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण होता है कि दृश्य मीडिया की गुणवत्ता छात्र की सहभागिता के अनुरूप और अंततः सीखने के स्तर पर पूरक हो। लीकॉक और नेस्बी (2007) का कहना है कि सौंदर्यशास्त्र, उत्पादन मूल्य और समग्र डिजाइन सभी सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं। वीडियो की दृश्य स्पष्टता ई-लर्निंग छात्रों के बीच चिंता का कारण रही है, जिसका छात्रों के अनुभव और अंततः निर्देश को समझने के तरीके पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है (मोलनार, 2017)। विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच वीडियो गुणवत्ता का मुद्दा महत्वपूर्ण रहा है जिसके कारण पुराने वीडियो के प्रति उनका तिरस्कार वाला रवैया देखा गया है, जो उनके शैक्षणिक सामग्री के साथ जुड़ाव पर नकारात्मक प्रभाव डालता है. ई-लर्निंग के भीतर कंटेंट के साथ जुड़ाव सीखने की प्रक्रिया के लिए अनिवार्य तत्व होते हैं, क्योंकि इसे विशेष रूप से सीखने की प्रक्रिया से जोड़ा गया है (गुओ एट अल., 2014)। कुल मिलाकर, यह देखा गया है कि उच्च-गुणवत्ता वाले दृश्य मीडिया की तुलना में खराब-गुणवत्ता वाले दृश्य मीडिया के वितरण से सीखने की प्रक्रिया पर अधिक नकारात्मक प्रभाव पड़ता है (लीकॉक और नेस्बी, 2007; मोलनार, 2017) ।

अनुदेशात्मक मीडिया के उपयोग पर अनेकों शोध पहले भी कई शोधकर्ताओं द्वारा किया जा चुका है। जिसमें पहला पुस्पिटारिनी और हनीफ (2019) के शोध जिसका शीर्षक प्राथमिक विद्यालय में सीखने की प्रेरणा बढ़ाने के लिए लर्निंग

Year-5 Volume: III, July-September, 2023 Issue-19 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

मीडिया का उपयोग करना है, के शोध परिणामों से पता चला कि सीखने की प्रक्रिया में शिक्षक व्याख्यान विधियों और सीखने के संसाधनों का उपयोग किताबों के रूप में करते थे। जिसके बाद देखा गया कि सीखने की प्रक्रिया में व्याख्यान पद्धति का उपयोग छात्रों को आकर्षित नहीं करता है और छात्र इस पद्धति से प्रस्तुत सामग्री को समझ नहीं पाते हैं और उनके सीखने की प्रेरणा तथा चाहत भी कम हो जाती है। दूसरा है ज़मज़मी, (2019) जिसका शीर्षक इस्लामिक एलीमेंट्री स्कूल इस्लामिया मलंग में युवा शिक्षार्थियों के लिए अंग्रेजी सिखाने का एक अध्ययन है। इस शोध के नतीजे में पाया गया कि अंग्रेजी पढ़ाने में शिक्षक अक्सर कई मीडिया जैसे ऑडियो मीडिया, विजुअल मीडिया और ऑडियोविजुअल मीडिया का उपयोग करते हैं। शिक्षक पढ़ाई के दौरान छात्रों का ध्यान आकर्षित करने के लिए उपयुक्त मीडिया का उपयोग करता है। आखिरी है मियाज़, केनेडी, मोनाफाजरी और हेल्सा (2019) जिसका शीर्षक प्राथमिक स्कूल के छात्रों के लिए शिक्षाप्रद शिक्षण मीडिया है। इस शोध के नतीजे बताते हैं कि प्रारंभिक छात्रों के लिए एंड्रॉइड-आधारित शैक्षिक शिक्षण मीडिया का विकास वैध, व्यावहारिक और प्रभावी है।

शोध प्रश्न

इस शोध का उद्देश्य मुख्य रूप से तीन प्रश्नों का उत्तर प्राप्त करना है जो निम्न है-

शोध प्रश्न-1) यूट्यूब प्लेटफार्म पर विषयगत वीडियो की उलब्धता की स्थिति क्या है ?

शोध प्रश्न-2) शैक्षणिक वीडियो छात्रों के लिये कितना उपयोगी और प्रासंगिक है ?

शोध प्रश्न-3) स्कूली स्तर के विषय संबंधित वीडियो की स्वीकृति और प्रभावशीलता कितनी है?

उपरोक्त इन तीनों मुख्य शोध प्रश्नों के उत्तर के लिये इनके पांच-पांच उप-प्रश्न भी हैं. जिसको इस शोध पत्र के आगे के खंड 'डेटा विश्लेषण' में प्रस्तुत किया गया है.

शोध प्रविधि

इस शोध में सभी उत्तरदाताओं से प्राप्त आंकड़ों को एकत्र करने और उनका विश्लेषण करने के लिए **मात्रात्मक पद्धति** का उपयोग किया गया था। **सर्वेक्षण** के लिये विकसित प्रश्नावली को उत्तरदाताओं के लक्षित समूह में वितरित करने से पहले प्रयोगिक तौर उसे अंतिम रूप दिया गया था।

जनसंख्या और नमूनाकरण

इस शोध के लिए दिल्ली के एक निजी स्कूल और खगड़िया जिला (बिहार) के दो पब्लिक स्कूल (शहरी और ग्रामीण) के उच्चय माध्यमिक कक्षा के विद्यार्थी को लिया गया। इन तीन स्कूलों के 300 से ज्यादा बच्चों से पूछा गया कि क्या वह अपने अध्ययन के लिये यूट्यूब पर उपलब्ध शैक्षणिक सामग्री को देखते हैं? जिसमें से करीब 200 बच्चों ने कहा कि हाँ वो

Year-5 Volume: III, July-September, 2023 Issue-19 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

ऐसे करते हैं. जिसके बाद हमने इन 'हाँ' कहने वाले बच्चों के बीच गूगल फॉर्म पर बनाये गये सर्वेक्षण प्रश्नावली को वितरित किया. जिसमें से कुल 76 बच्चे इस सर्वेक्षण का हिस्सा बने. यह शोध पत्र इन्हीं 76 उत्तरदाता बच्चों के जवाब पर आधारित है.

शोध परिणाम एवं विश्लेषण

- इस शोध के लिये हमें 76 उत्तरदाताओं से डेटा प्राप्त हुआ.
- माध्यमिक और उच्चय माध्यमिक के कक्षा 8 से, कक्षा 12 तक के छात्र इस अध्ययन का हिस्सा रहे.
- जिनकी उम्र 13 साल से 16 साल या उससे ज्यादा थी.
- अध्ययन में कुल 59 महिलाओं और 17 पुरुषों ने हिस्सा लिया.
- कक्षा में अनुदेश (instruction) के माध्यम के आधार पर कुल 76 छात्रों में से 45 छात्र अंग्रेजी माध्यम के, 14 हिंदी माध्यम के और शेष 17 छात्र मिश्रित (हिंदी और अंग्रेजी) माध्यम के थे. जबकि 69 छात्रों की मातृभाषा हिंदी और 7 छात्रों की मातृभाषा अन्य भारतीय भाषा (वर्नाक्युलर भाषा) थी.
- इस अध्ययन के विश्लेषण के लिये दो स्वतंत्र चर लिये गये हैं. पहला छात्रों की क्षेत्रीय सम्बद्धता (जगह) और दूसरा उनके अध्ययनरत स्कूल हैं.
- सम्बद्धता (जगह) के आधार पर 21 छात्र ग्रामीण, 24 छात्र शहरी और 31 छात्र मेट्रोपोलिटन सिटी के हैं जबकि स्कूल के स्तर पर कुल 76 छात्रों में से 19 पब्लिक स्कूल के और शेष 57 छात्र निजी स्कूल के हैं.

शोध प्रश्न-1

यू-ट्यूब प्लेटफार्म पर विषयगत वीडियो की उलब्धता की स्थिति क्या है ?

उपरोक्त शोध प्रश्न के जवाब को प्राप्त करने के लिये हमने छात्रों से पांच प्रश्न पूछे. ये सभी उप-प्रश्न निम्लिखित हैं. जिसका विश्लेषण कर इस इस शोध प्रश्न और इस शोध के निष्कर्ष तक पहुंचा गया है.

The Asian Thinker

Year-5 Volume: III, July-September, 2023 Issue-19 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

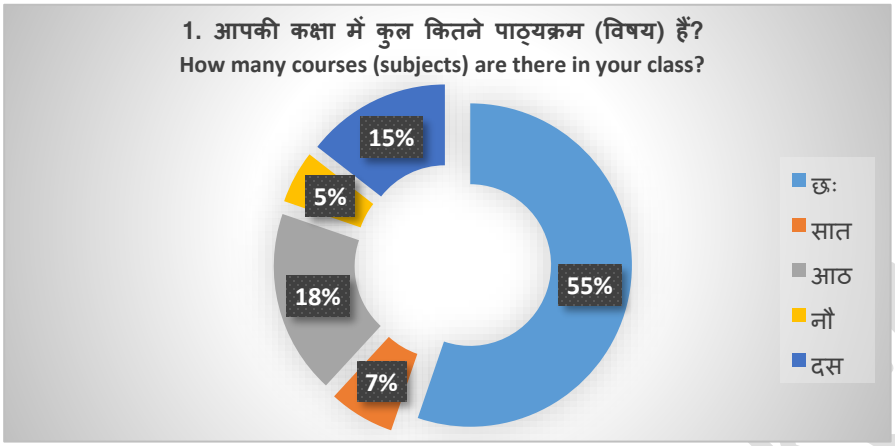

आवृत्ति वितरण तालिका				
Q1	विषय की संख्या	आवृत्ति	प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
मेट्रोपोलिटन (कुल 24 छात्र)	छः	16	67	67
	सात	2	8	75
	आठ	0	0	75
	नौ	1	4	79
	दस+	5	21	100
शहर (कुल 31 छात्र)	छः	21	68	68
	सात	2	6	74
	आठ	3	10	84
	नौ	3	10	94
	दस+	2	6	100
गाँव (कुल 21 छात्र)	छः	5	24	24
	सात	1	5	29
	आठ	11	52	81
	नौ	0	0	81
	दस+	4	19	100

आवृत्ति वितरण तालिका				
	विषय की संख्या	आवृत्ति	प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
निजी स्कूल (कुल 57 छात्र)	छः	38	67	67
	सात	5	9	76
	आठ	3	5	81
	नौ	4	7	88
	दस+	7	12	100
पब्लिक स्कूल (कुल 19 छात्र)	छः	4	21	21
	सात	0	0	21
	आठ	11	58	79
	नौ	0	0	79
	दस+	4	21	100

टेबल 1 अ- क्षेत्रीय सम्बद्धता के आधार पर और टेबल 1 ब- स्कूल के आधार पर

इस प्रश्न के जवाब में कुल 76 छात्रों में से 42 छात्रों यानि 55 प्रतिशत छात्रों ने कहा कि उनकी कक्षा में छः विषय पढ़ाये जाते हैं जबकि सात विषय पढ़ाये जाने कि बात 5 छात्रों यानि 7 प्रतिशत छात्रों ने की. वहीँ 14 (18 प्रतिशत) छात्रों ने

Year-5 Volume: III, July-September, 2023 Issue-19 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

आठ विषय कहा और 4 छात्र यानी 5 प्रतिशत छात्र ने नौ विषय कहा. कक्षा में दस विषय पढ़ाये जाने की बात 11 (15 प्रतिशत) छात्रों ने कहा.

क्षेत्रित संबद्धता और स्कुल के आधार पर उपलब्ध आंकड़े टेबल 1 अ और टेबल 1 ब में दर्शाया गया जिस आंकड़ों के अध्ययन से यह पता लगता है कि मेट्रोपोलिटन और शहर के निजी स्कूलों में मुख्य रूप से एक कक्षा में छः विषय पढ़ाये जाते हैं जबकि ग्रामीण क्षेत्र के पब्लिक स्कुल की कक्षाओं में आठ विषय पढ़ाये जाते हैं.

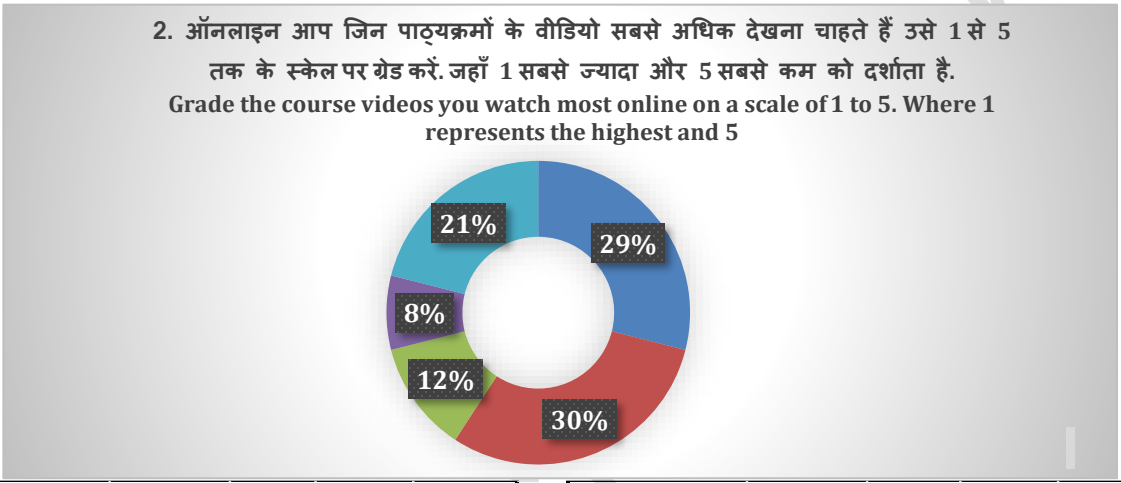

आवृत्ति वितरण तालिका				
Q2	विषय	आवृत्ति	प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
मेट्रोपोलिटन (कुल 24 छात्र)	स.वि.	4	17	17
	वि.	8	33	50
	भाषा	1	4	54
	व्या.वि	3	13	67
	ए.वि.	8	33	100
शहर (कुल 31 छात्र)	स.वि.	8	26	26
	वि.	10	32	58
	भाषा	4	13	71
	व्या.वि	3	10	81
	ए.वि.	6	19	100
गाँव (कुल 21 छात्र)	स.वि.	10	48	48
	वि.	5	24	72
	भाषा	4	19	91
	व्या.वि	0	0	91
	ए.वि.	2	9	100

आवृत्ति वितरण तालिका				
	विषय	आवृत्ति	प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
निजी स्कूल (कुल 57 छात्र)	स.वि.	12	21	21
	वि.	18	32	53
	भाषा	5	9	62
	व्या.वि	6	10	72
	ए.वि.	16	28	100
पब्लिक स्कूल (कुल 19 छात्र)	स.वि.	10	53	53
	वि.	5	26	79
	भाषा	4	21	100
	व्या.वि	0	0	
	ए.वि.	0	0	

टेबल 2 अ- क्षेत्रीय सम्बद्धता के आधार पर और टेबल 2 ब- स्कूल के आधार पर

Year-5 Volume: III, July-September, 2023 Issue-19 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

इस प्रश्न के जवाब में कुल 76 छात्रों में से 29 प्रतिशत छात्रों ने कहा कि वह विज्ञान विषय पढ़ना चाहते हैं जबकि 30 प्रतिशत छात्रों ने कहा कि वह सामाजिक विज्ञान के विषय पढ़ना चाहते हैं. वहीँ 21 प्रतिशत छात्र एच्छिक विषय तो 12 प्रतिशत छात्र भाषा के विषय का अध्ययन करना चाहते हैं. और सबसे कम 8 प्रतिशत व्यवसायिक विषय को पढ़ना चाहते हैं. लेकिन वहीं टेबल 2 अ और टेबल 2 ब देखें तो क्षेत्रीय सम्बद्धता के आधार पर कुल 76 छात्रों में से जहाँ मेट्रोपोलिटन के छात्र 33-33 प्रतिशत के साथ विज्ञान और व्यावसायिक विषय को पढ़ना चाहते हैं वहीँ शहर के 32 प्रतिशत बच्चे विज्ञान को और 26 प्रतिशत बच्चे सामाजिक विज्ञान का अध्ययन करना पसंद करते हैं जबकि गाँव के 48 प्रतिशत बच्चे सामाजिक विज्ञान और 24 प्रतिशत बच्चे विज्ञान का अध्ययन करना चाहते हैं. स्कुल के आधार पर प्राप्त आकड़ा बताता

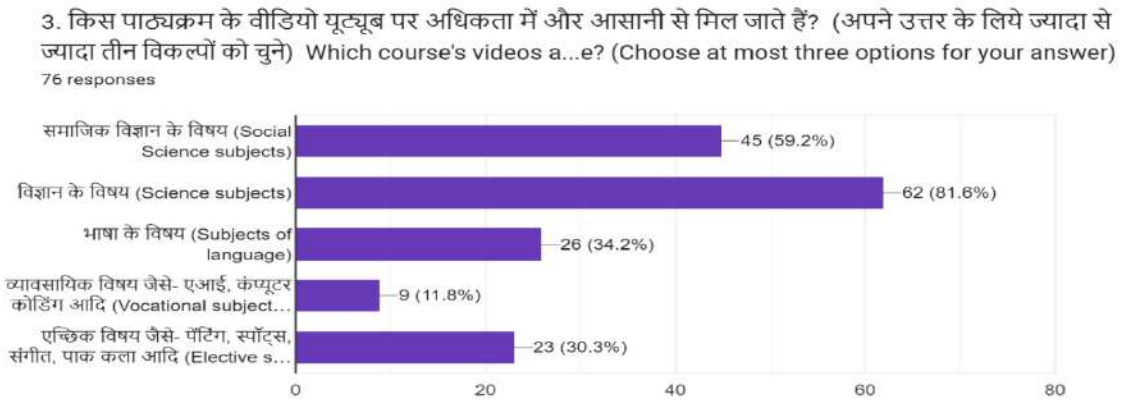

है कि निजी स्कूल के सबसे अधिक 32 प्रतिशत छात्र विज्ञान विषय के वीडियो देखना चाहते हैं जबकि पब्लिक स्कूल के 53 प्रतिशत छात्र समाजिक विज्ञान के विषय के वीडियो देखना चाहते हैं.

आवृत्ति वितरण तालिका				
Q3	विषय	आवृत्ति	प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
मेट्रोपोलिटन (कुल 24 छात्र)	स.वि.	13	54	54
	वि.	10	42	96
	भाषा	0	0	96
	व्या.वि	0	0	96
	ए.वि.	1	4	100
शहर (कुल 31 छात्र)	स.वि.	19	62	62
	वि.	10	32	94
	भाषा	1	3	97
	व्या.वि	0	0	97
	ए.वि.	1	3	100
गाँव (कुल 21 छात्र)	स.वि.	13	62	62
	वि.	8	38	100
	भाषा	0	0	
	व्या.वि	0	0	
	ए.वि.	0	0	

आवृत्ति वितरण तालिका				
	विषय	आवृत्ति	प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
निजी स्कूल (कुल 57 छात्र)	स.वि.	34	59	59
	वि.	20	35	94
	भाषा	1	2	96
	व्या.वि	0	0	96
	ए.वि.	2	4	100
पब्लिक स्कूल (कुल 19 छात्र)	स.वि.	11	58	58
	वि.	8	42	100
	भाषा	0	0	
	व्या.वि	0	0	
	ए.वि.	0	0	

Year-5 Volume: III, July-September, 2023 Issue-19 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

टेबल 3 अ- क्षेत्रीय सम्बद्धता के आधार पर और टेबल 3 ब- स्कूल के आधार पर

इस प्रश्न 3 के जवाब में कुल 76 छात्रों में से सबसे ज्यादा 81 प्रतिशत छात्रों ने कहा कि विज्ञान के विषय ऑनलाइन आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं जबकि 59 प्रतिशत छत्रों ने सामाजिक विज्ञान के विषय को आसानी से मिलने वाला विषय कहा. और इसके बाद 26 प्रतिशत भाषा, 23 प्रतिशत एच्छिक विषय तथा 9 प्रतिशत छात्रों ने व्यवसायिक विषय को आसानी से ऑनलाइन मिलने वाला विषय माना.

क्षेत्रीयता के आधार पर अगर विश्लेषण किया जाय तो मेट्रोपोलिटन के सबसे ज्यादा 54 प्रतिशत बच्चे कहते हैं कि सामाजिक विज्ञान विषय के वीडियो आसानी से मिल जाते हैं और ऐसा ही विचार 62 प्रतिशत शहरी और ग्रामीण छात्रों के भी हैं. यहाँ तक कि स्कूल के स्तर पर भी निजी और पब्लिक स्कूल के बच्चे (क्रमशः 59 और 58 प्रतिशत) सबसे अधिक समाजिक विज्ञान विषय के ऑनलाइन उपलब्धता की बात करते हैं.

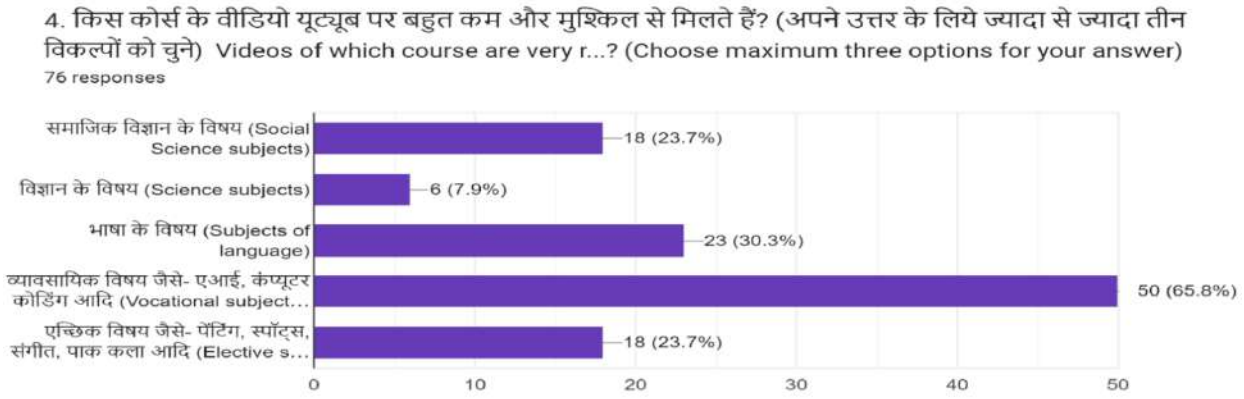

आवृत्ति वितरण तालिका				
Q4	**विषय**	**आवृत्ति**	**प्रतिशत**	**संचयी प्रतिशत**
मेट्रोपोलिटन (कुल 24 छात्र)	स.वि.	4	17	17
	वि.	0	0	17
	भाषा	5	21	38
	व्या.वि	15	62	100
	ए.वि.	0	0	
शहर (कुल 31 छात्र)	स.वि.	5	17	17
	वि.	0	0	17
	भाषा	7	22	39
	व्या.वि	17	55	94
	ए.वि.	2	6	100
गाँव (कुल 21 छात्र)	स.वि.	9	44	44
	वि.	2	9	53
	भाषा	4	19	72
	व्या.वि	4	19	91
	ए.वि.	2	9	100

आवृत्ति वितरण तालिका				
	विषय	**आवृत्ति**	**प्रतिशत**	**संचयी प्रतिशत**
निजी स्कूल (कुल 57 छात्र)	स.वि.	8	14	14
	वि.	0	0	14
	भाषा	14	25	39
	व्या.वि	32	56	95
	ए.वि.	3	5	100
पब्लिक स्कूल (कुल 19 छात्र)	स.वि.	10	52	52
	वि.	2	11	63
	भाषा	2	11	74
	व्या.वि	4	21	95
	ए.वि.	1	5	100

Year-5 Volume: III, July-September, 2023 Issue-19 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

टेबल 4 अ- क्षेत्रीय सम्बद्धता के आधार पर और टेबल 4 ब- स्कूल के आधार पर

प्रश्न संख्या 4 के जवाब में कुल 76 छात्रों में से सबसे ज्यादा 66 प्रतिशत छात्रों ने कहा कि व्यवसायिक विषय ऑनलाइन आसानी से उपलब्ध नहीं होते हैं जबकि 30 प्रतिशत छत्रों ने भाषा के विषय को आसानी से नहीं मिलने वाला विषय कहा. 24-24 प्रतिशत बच्चे एच्छिक और सामाजिक विज्ञान के विषय और सबसे कम 8 प्रतिशत बच्चे विज्ञान विषय की ऑनलाइन उपलब्धता को कम पाते हैं.

क्षेत्रवार और स्कूल के आधार पर मिले आंकड़ों का विश्लेषण यह बताता है कि मेट्रोपोलिटन और शहरी छात्र के साथ-साथ निजी स्कुल के छात्र व्यावसायिक विषय की ऑनलाइन उपलब्धता की कमी कि बात कहते हैं जबकि ग्रामीण बच्चे व पब्लिक स्कूल के छात्र सबसे ज्यादा समाजिक विज्ञान के विषय को लेकर ऑनलाइन उपलब्धता की कमी कि बात करते हैं. यहाँ ध्यान देने वाली बात है कि यही बच्चे प्रश्न 3 में कहते हैं कि सबसे ज्यादा समाजिक विज्ञान के विषय ऑनलाइन उपलब्ध है अतः यहाँ एक भ्रामक स्थिति इनके जवाब से पैदा होती है! ऐसा क्यों है? इसके जवाब में दो संभावनाएं हो सकती है. पहला कम डेटा के कारण ऐसी स्थिति बनी हो या दूसरा यह कि ग्रामीण और पब्लिक स्कूल के छात्र यह कहना चाहते हैं कि उन्हें और समाजिक विज्ञान से जुड़े और ज्यादा विडियो की जरुरत है.

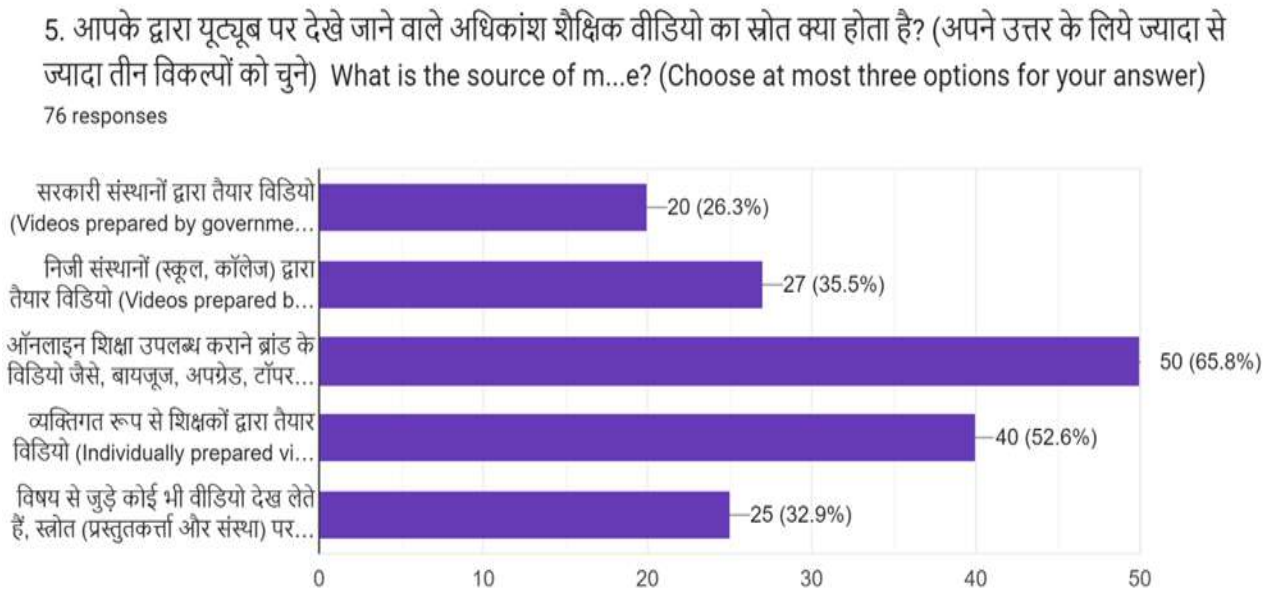

Year-5 Volume: III, July-September, 2023 Issue-19 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

आवृत्ति वितरण तालिका				
Q5	वीडियो स्रोत	आवृत्ति	प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
मेट्रोपोलिटन (कुल 24 छात्र)	स.सं.	1	4	4
	नि.सं.	6	25	29
	ब्रा.प्ले.	16	67	96
	व्य.शि.	1	4	100
	अं.वि.	0	0	
शहर (कुल 31 छात्र)	स.सं.	6	20	20
	नि.सं.	7	22	42
	ब्रा.प्ले.	11	35	77
	व्य.शि.	4	13	90
	अं.वि.	3	10	100
गाँव (कुल 21 छात्र)	स.सं.	13	62	62
	नि.सं.	3	14	76
	ब्रा.प्ले.	3	14	90
	व्य.शि.	1	5	95
	अं.वि.	1	5	100

आवृत्ति वितरण तालिका				
	वीडियो स्रोत	आवृत्ति	प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
निजी स्कूल (कुल 57 छात्र)	स.सं.	7	12	12
	नि.सं.	14	24	36
	ब्रा.प्ले.	29	52	88
	व्य.शि.	4	7	95
	अं.वि.	3	5	100
पब्लिक स्कूल (कुल 19 छात्र)	स.सं.	13	68	68
	नि.सं.	2	11	79
	ब्रा.प्ले.	1	5	84
	व्य.शि.	2	11	95
	अं.वि.	1	5	100

टेबल 5 अ- क्षेत्रीय सम्बद्धता के आधार पर और टेबल 5 ब- स्कूल के आधार पर

प्रश्न संख्या 5 के जवाब में कुल 76 छात्रों में से सबसे ज्यादा 66 प्रतिशत छात्र बायजुज जैसे स्रोत के शैक्षणिक वीडियो देखने हैं. जबकि 53 प्रतिशत छात्र व्यक्तिगत रूप से बनाये गये शिक्षक के वीडियो देखते हैं. वहीं 36 प्रतिशत निजी संस्थानों के, तो 33 प्रतिशत किसी स्रोत से बने वीडियो को देख लेते हैं. आश्चर्यजनक रूप से सिर्फ 26 प्रतिशत छात्र सरकारी संस्थानों के बने वीडियो को देखते हैं.

टेबल 5 अ और 5 ब में प्रदर्शित आंकड़ों का विश्लेषण यह बताता है कि मेट्रोपोलिटन और शहर तथा निजी स्कूल के ज्यादातर छात्र बायजुज, अपग्रेज, टॉपर जैसे कंपनियों के शैक्षणिक विडियो देखते हैं. जबकि गाँव और पब्लिक स्कूल के छात्र सरकारी संस्थानों के शैक्षणिक विडियो देखते हैं.

शोध प्रश्न-2

शैक्षणिक वीडियो छात्रों के लिये कितना उपयोगी और प्रासंगिक है ?

उपरोक्त शोध प्रश्न के जवाब को प्राप्त करने के लिये हमने छात्रों से पांच प्रश्न पूछे. ये सभी उप-प्रश्न निम्लिखित हैं. जिसका विश्लेषण कर इस इस शोध प्रश्न और इस शोध के निष्कर्ष तक पहुंचा गया है.

Year-5 Volume: III, July-September, 2023 Issue-19 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

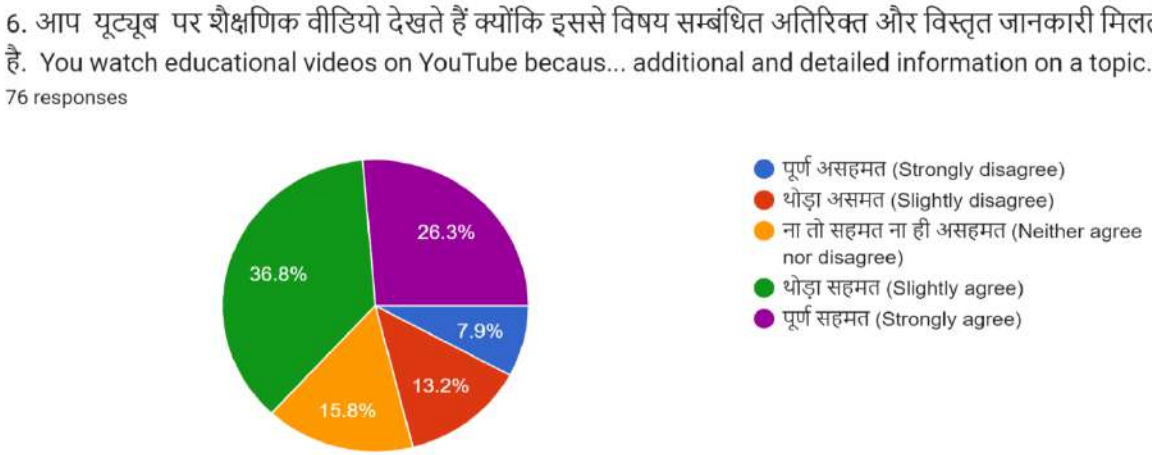

आवृत्ति वितरण तालिका				
Q6		आवृत्ति	प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
मेट्रोपोलिटन (कुल 24 छात्र)	पूर्ण अस.	1	4	4
	थोड़ा अस.	2	8	12
	तटस्थ	5	21	33
	थोड़ा स.	13	55	88
	पूर्ण स.	3	12	100
शहर (कुल 31 छात्र)	पूर्ण अस.	0	0	0
	थोड़ा अस.	3	10	10
	तटस्थ	6	19	29
	थोड़ा स.	9	29	58
	पूर्ण स.	13	42	100
गाँव (कुल 21 छात्र)	पूर्ण अस.	5	24	24
	थोड़ा अस.	5	24	48
	तटस्थ	1	5	53
	थोड़ा स.	6	28	81
	पूर्ण स.	4	19	100

आवृत्ति वितरण तालिका				
		आवृत्ति	प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
निजी स्कूल (कुल 57 छात्र)	पूर्ण अस.	2	3	3
	थोड़ा अस.	5	9	12
	तटस्थ	11	19	31
	थोड़ा स.	23	41	72
	पूर्ण स.	16	28	100
पब्लिक स्कूल (कुल 19 छात्र)	पूर्ण अस.	4	21	21
	थोड़ा अस.	5	27	48
	तटस्थ	1	5	53
	थोड़ा स.	5	26	79
	पूर्ण स.	4	21	100

टेबल 6 अ- क्षेत्रीय सम्बद्धता के आधार पर और टेबल 6 ब- स्कूल के आधार पर

शोध प्रश्न दो के इस पहले प्रश्न के जवाब में मिले 76 बच्चों के प्रतिक्रिया के आधार पर सबसे ज्यादा बच्चे ये मानते हैं कि यू-ट्यूब पर उपलब्ध शैक्षणिक विडियो से उन्हें अतिरिक्त और विस्तृत जानकारी मिलती है परन्तु क्षेत्रीय सम्बद्धता और

Year-5 Volume: III, July-September, 2023 Issue-19 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

स्कूल के स्तर पर देखें तो ग्रामीण और पब्लिक स्कूल के बच्चे आश्चर्यजनक रूप से एक तटस्थता कि स्थिति प्रदर्शित करते हैं. जहाँ आधे संख्या में छात्र इससे सहमत दिखते हैं तो आधा बच्चे इससे अपनी असहमति दर्शाते हैं.

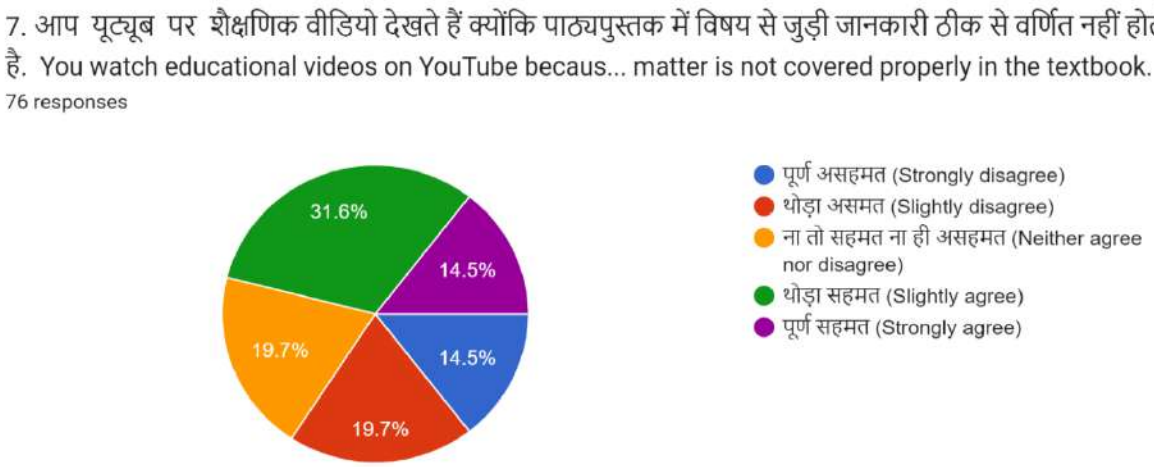

आवृत्ति वितरण तालिका				
Q7		आवृत्ति	प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
मेट्रोपोलिटन (कुल 24 छात्र)	पूर्ण अस.	0	0	0
	थोड़ा अस.	3	12	12
	तटस्थ	8	33	45
	थोड़ा स.	8	33	78
	पूर्ण स.	5	22	100
शहर (कुल 31 छात्र)	पूर्ण अस.	4	13	13
	थोड़ा अस.	6	19	32
	तटस्थ	6	19	51
	थोड़ा स.	9	30	81
	पूर्ण स.	6	19	100
गाँव (कुल 21 छात्र)	पूर्ण अस.	7	33	33
	थोड़ा अस.	6	28	61
	तटस्थ	1	5	66
	थोड़ा स.	7	34	100
	पूर्ण स.	0	0	

आवृत्ति वितरण तालिका				
		आवृत्ति	प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
निजी स्कूल (कुल 57 छात्र)	पूर्ण अस.	5	9	9
	थोड़ा अस.	9	16	25
	तटस्थ	15	26	51
	थोड़ा स.	17	30	81
	पूर्ण स.	11	19	100
पब्लिक स्कूल (कुल 19 छात्र)	पूर्ण अस.	6	32	32
	थोड़ा अस.	6	32	64
	तटस्थ	0	0	64
	थोड़ा स.	7	36	100
	पूर्ण स.	0	0	

टेबल 7 अ- क्षेत्रीय सम्बद्धता के आधार पर और टेबल 7 ब- स्कूल के आधार पर

Year-5 Volume: III, July-September, 2023 Issue-19 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

इस प्रश्न के जवाब में भी 76 बच्चों में से ज्यादर मेट्रो और शहरी बच्चे तथा निजी स्कूल के बच्चे ये मानते दिखे कि उनकी पाठ्यपुस्तक में दर्ज जानकारी ठीक से वर्णित नहीं है जबकि ग्रामीण क्षेत्र और पब्लिक स्कूल के बच्चे ऐसा नहीं मानते हैं.

8. आप यूट्यूब पर शैक्षणिक वीडियो देखते हैं क्योंकि शिक्षक, सम्बंधित विषय को ठीक से नहीं समझाते हैं. You watch educational videos on YouTube because the teachers do not explain the subject properly.
76 responses

आवृत्ति वितरण तालिका				
Q8		आवृत्ति	प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
मेट्रोपोलिटन (कुल 24 छात्र)	पूर्ण अस.	2	8	8
	थोड़ा अस.	9	37	45
	तटस्थ	6	26	71
	थोड़ा स.	7	29	100
	पूर्ण स.	0	0	
शहर (कुल 31 छात्र)	पूर्ण अस.	7	22	22
	थोड़ा अस.	7	22	44
	तटस्थ	8	26	70
	थोड़ा स.	6	20	90
	पूर्ण स.	3	10	100
गाँव (कुल 21 छात्र)	पूर्ण अस.	8	38	38
	थोड़ा अस.	4	19	57
	तटस्थ	0	0	57
	थोड़ा स.	8	38	95
	पूर्ण स.	1	5	100

आवृत्ति वितरण तालिका				
		आवृत्ति	प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
निजी स्कूल (कुल 57 छात्र)	पूर्ण अस.	9	16	16
	थोड़ा अस.	16	28	44
	तटस्थ	14	24	68
	थोड़ा स.	14	24	92
	पूर्ण स.	4	8	100
पब्लिक स्कूल (कुल 19 छात्र)	पूर्ण अस.	7	37	37
	थोड़ा अस.	4	21	58
	तटस्थ	0	0	58
	थोड़ा स.	7	37	95
	पूर्ण स.	1	5	100

टेबल 8 अ- क्षेत्रीय सम्बद्धता के आधार पर और टेबल 8 ब- स्कूल के आधार पर

Year-5 Volume: III, July-September, 2023 Issue-19 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

इस प्रश्न के जवाब में मिली प्रतिक्रिया मजेदार है. यूँ तो अधिक संख्या में बच्चे ये मानते हैं कि शिक्षक सम्बंधित विषय को कक्षा में ठीक से समझाते हैं परन्तु ऐसे बच्चों की संख्या भी बहुत कम नहीं है जो ये कहते हैं कि शिक्षक कक्षा में ठीक से नहीं समझाते हैं और यह प्रतिक्रिया हर क्षेत्र और स्कुल में करीब एक सामान रूप से प्रदर्शित हो रही है.

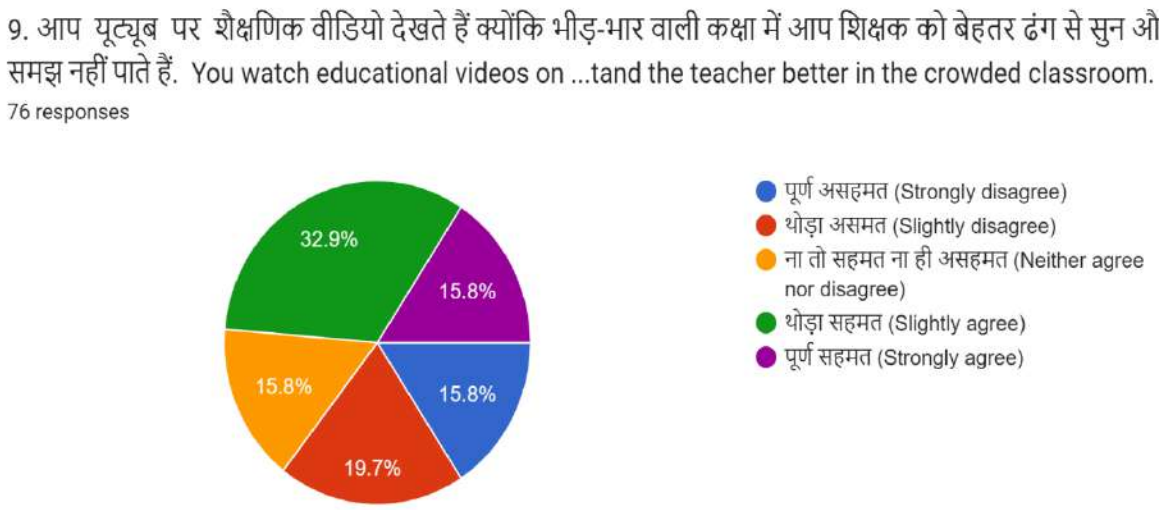

आवृत्ति वितरण तालिका				
Q9		आवृत्ति	प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
मेट्रोपोलिटन (कुल 24 छात्र)	पूर्ण अस.	2	8	8
	थोड़ा अस.	5	21	29
	तटस्थ	4	17	46
	थोड़ा स.	11	46	92
	पूर्ण स.	2	8	100
शहर (कुल 31 छात्र)	पूर्ण अस.	6	20	20
	थोड़ा अस.	4	12	32
	तटस्थ	6	20	52
	थोड़ा स.	7	22	74
	पूर्ण स.	8	26	100
गाँव (कुल 21 छात्र)	पूर्ण अस.	4	19	19
	थोड़ा अस.	6	28	47
	तटस्थ	2	10	57
	थोड़ा स.	7	33	90
	पूर्ण स.	2	10	100

आवृत्ति वितरण तालिका				
		आवृत्ति	प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
निजी स्कूल (कुल 57 छात्र)	पूर्ण अस.	8	15	15
	थोड़ा अस.	9	16	31
	तटस्थ	10	17	48
	थोड़ा स.	20	35	83
	पूर्ण स.	10	17	100
पब्लिक स्कूल (कुल 19 छात्र)	पूर्ण अस.	4	21	21
	थोड़ा अस.	6	32	53
	तटस्थ	2	11	64
	थोड़ा स.	5	26	90
	पूर्ण स.	2	10	100

टेबल 9 अ- क्षेत्रीय सम्बद्धता के आधार पर और टेबल 9 ब- स्कूल के आधार पर

Year-5 Volume: III, July-September, 2023 Issue-19 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

इस प्रश्न के उत्तर में जहाँ मेट्रोपोलिटन और शहरी और निजी स्कूल के बच्चे कक्षा में पाठ्य को नहीं समझ पाने के लिए भीड़ को सीधे तौर पर मुद्दा मानते हैं वहीँ ग्रामीण बच्चे व पब्लिक स्कूल के बच्चे इस जवाब को लेकर भी आधे आधे बंटे हुए हैं.

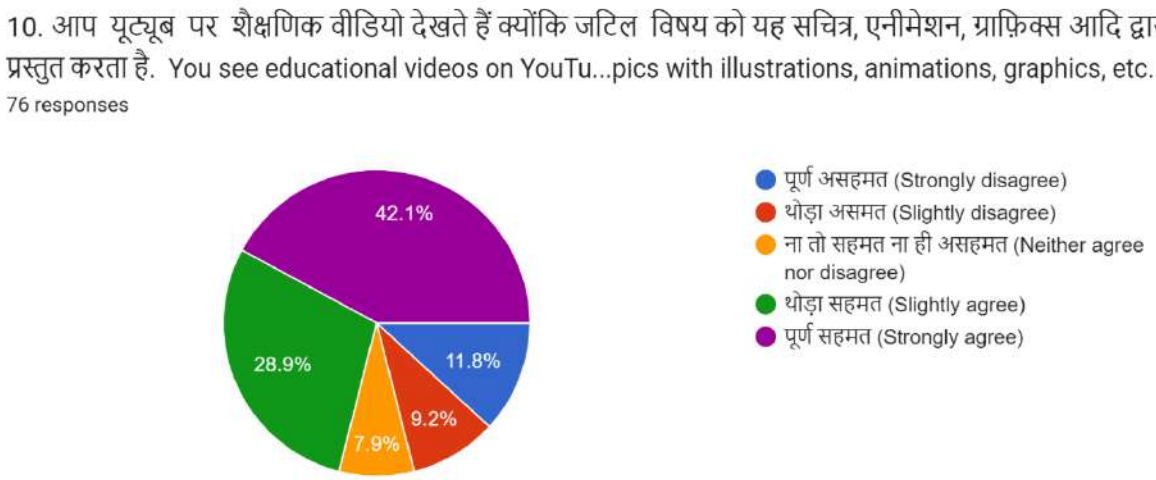

The Asian

Year-5 Volume: III, July-September, 2023 Issue-19 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

Q10		आवृत्ति	प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
मेट्रोपोलिटन (कुल 24 छात्र)	पूर्ण अस.	1	4	4
	थोड़ा अस.	2	9	13
	तटस्थ	1	4	17
	थोड़ा स.	8	33	50
	पूर्ण स.	12	50	100
शहर (कुल 31 छात्र)	पूर्ण अस.	3	10	10
	थोड़ा अस.	1	3	13
	तटस्थ	4	13	26
	थोड़ा स.	9	29	55
	पूर्ण स.	14	45	100
गाँव (कुल 21 छात्र)	पूर्ण अस.	5	24	24
	थोड़ा अस.	4	19	43
	तटस्थ	1	5	48
	थोड़ा स.	5	24	72
	पूर्ण स.	6	28	100

आवृत्ति वितरण तालिका

		आवृत्ति	प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
निजी स्कूल (कुल 57 छात्र)	पूर्ण अस.	4	7	7
	थोड़ा अस.	3	5	12
	तटस्थ	5	10	22
	थोड़ा स.	18	31	53
	पूर्ण स.	27	47	100
पब्लिक स्कूल (कुल 19 छात्र)	पूर्ण अस.	5	26	26
	थोड़ा अस.	4	21	47
	तटस्थ	1	5	52
	थोड़ा स.	4	21	73
	पूर्ण स.	5	27	100

टेबल 10 अ- क्षेत्रीय सम्बद्धता के आधार पर और टेबल 10 ब- स्कूल के आधार पर

इसके उत्तर में भी बच्चों की प्रतिक्रिया 9वें प्रश्न के उत्तर की प्रतिलिपि की तरह है जिसमें मेट्रो, शहर और निजी स्कूल के बच्चे शैक्षणिक वीडियो को देखने के कारण में उसमें इस्तेमाल होने वाले मल्टीमीडिया तत्त्वों को मानते हैं लेकिन ग्रामीण बच्चे और पब्लिक स्कूल के बच्चे शैक्षणिक विडियो देखने के लिए मल्टीमीडिया को महत्त्वपूर्ण कारण नहीं मानते हैं.

शोध प्रश्न-3

स्कूली स्तर के विषय संबंधित वीडियो की स्वीकृति और प्रभावशीलता कितनी है ?

उपरोक्त शोध प्रश्न के जवाब को प्राप्त करने के लिये हमने छात्रों से पांच प्रश्न पूछे. ये सभी उप-प्रश्न निम्लिखित हैं. जिसका विश्लेषण कर इस इस शोध प्रश्न और इस शोध के निष्कर्ष तक पहुंचा गया है.

Year-5 Volume: III, July-September, 2023 Issue-19 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

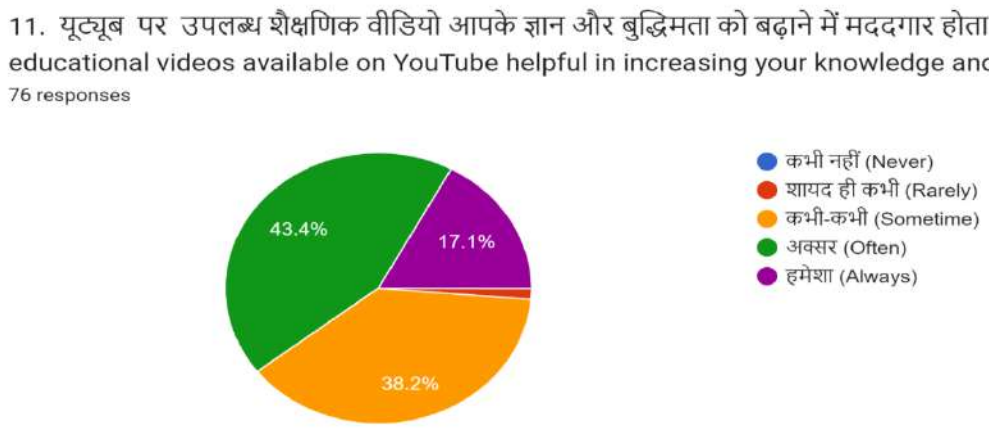

आवृत्ति वितरण तालिका				
Q11.		आवृत्ति	**प्रतिशत**	संचयी प्रतिशत
मेट्रोपोलिटन (कुल 24 छात्र)	क.नहीं	0	0	0
	सा.ही.क.	1	4	4
	क.क.	9	37	41
	अक्सर	12	51	92
	हमेशा	2	8	100
शहर (कुल 31 छात्र)	क.नहीं	0	0	0
	सा.ही.क.	0	0	0
	क.क.	9	29	29
	अक्सर	14	45	74
	हमेशा	8	26	100
गाँव (कुल 21 छात्र)	क.नहीं	0	0	0
	सा.ही.क.	0	0	0
	क.क.	11	53	53
	अक्सर	7	33	86
	हमेशा	3	14	100

आवृत्ति वितरण तालिका				
Q11.		आवृत्ति	**प्रतिशत**	संचयी प्रतिशत
निजी स्कूल (कुल 57	क.नहीं	0	0	0
	सा.ही.क.	1	2	2
	क.क.	18	31	33
	अक्सर	29	51	84
	हमेशा	9	16	100
पब्लिक (कुल 19 छात्र	क.नहीं	0	0	0
	सा.ही.क.	0	0	0
	क.क.	11	58	58
	अक्सर	4	21	79
	हमेशा	4	21	100

टेबल 11 अ- क्षेत्रीय सम्बद्धता के आधार पर और टेबल 11 ब- स्कूल के आधार पर

प्रश्न 11 के जवाब में मिले प्रतिक्रिया से यह साबित हुआ है कि यू-ट्यूब पर उपलब्ध शैक्षणिक सामग्री (विडियो) ज्ञान और बुद्धिमता को बढ़ने में मददगार होता है.

Year-5 Volume: III, July-September, 2023 Issue-19 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

12. आप किसी न किसी विषय या टॉपिक को समझने के लिये आमतौर पर प्रतिदिन शैक्षणिक वीडियो देखते हैं? You usually watch educational videos every day to understand some subject or topic?
76 responses

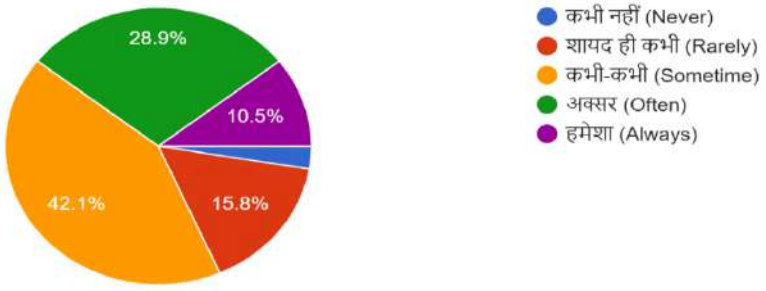

आवृत्ति वितरण तालिका				
Q12.		आवृत्ति	**प्रतिशत**	संचयी प्रतिशत
मेट्रोपोलिटन (कुल 24 छात्र)	क.नहीं	1	4	4
	सा.ही.क.	4	17	21
	क.क.	10	42	63
	अक्सर	8	33	96
	हमेशा	1	4	100
शहर (कुल 31 छात्र)	क.नहीं	1	3	3
	सा.ही.क.	5	16	19
	क.क.	12	39	58
	अक्सर	8	26	84
	हमेशा	5	16	100
गाँव (कुल 21 छात्र)	क.नहीं	0	0	0
	सा.ही.क.	3	14	14
	क.क.	10	48	62
	अक्सर	6	29	91
	हमेशा	2	9	100

आवृत्ति वितरण तालिका				
Q12.		आवृत्ति	**प्रतिशत**	संचयी प्रतिशत
निजी स्कूल (कुल 57	क.नहीं	2	3	3
	सा.ही.क.	9	16	19
	क.क.	23	41	60
	अक्सर	17	30	90
	हमेशा	6	10	100
पब्लिक (कुल 19 छात्र	क.नहीं	0	0	0
	सा.ही.क.	3	16	16
	क.क.	9	47	63
	अक्सर	5	26	89
	हमेशा	2	11	100

टेबल 12 अ- क्षेत्रीय सम्बद्धता के आधार पर और टेबल 12 ब- स्कूल के आधार पर

Year-5 Volume: III, July-September, 2023 Issue-19 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

प्रश्न 12 के जवाब में लगभग 40% छात्र यह कहते हैं कि वह हमेशा ही शैक्षणिक विडियो का इस्तेमाल अपने अध्ययन के लिए करते हैं जबकि 42 प्रतिशत छात्र इसके लिए कभी-कभी शब्द का उपयोग करते हैं क्षेत्रीय और स्कूली स्तर पर देखा जाय तो लगभग वही प्रतिक्रिया दिखती है जो मुख्य डेटा बता रहा है.

13. कुल मिलकर आप सप्ताह में कितने घंटे यूट्यूब वीडियो के द्वारा पढाई करते हैं? In total, how many hours a week do you study through YouTube videos?
76 responses

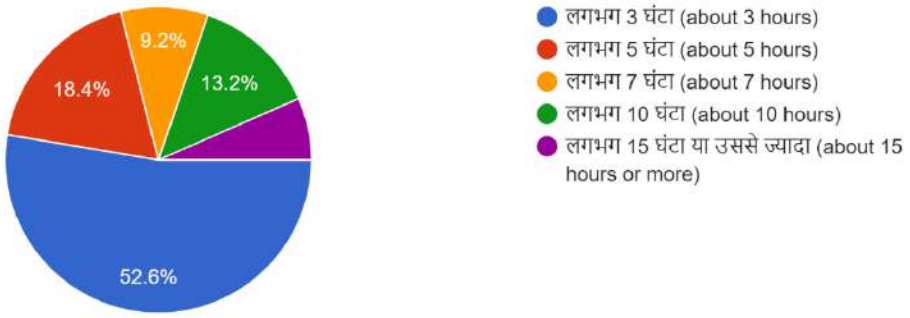

आवृत्ति वितरण तालिका				
Q13.	अध्ययन अवधि	आवृत्ति	**प्रतिशत**	संचयी प्रतिशत
मेट्रोपोलिटन (कुल 24 छात्र)	3 घंटा	16	67	67
	5 घंटा	5	21	88
	7 घंटा	2	8	96
	10 घंटा	1	4	100
	15 घंटा	0	0	
शहर (कुल 31 छात्र)	3 घंटा	18	58	58
	5 घंटा	5	16	74
	7 घंटा	5	16	90
	10 घंटा	2	7	97
	15 घंटा	1	3	100
गाँव (कुल 21 छात्र)	3 घंटा	6	28	28
	5 घंटा	4	19	47
	7 घंटा	0	0	47
	10 घंटा	7	34	81
	15 घंटा	4	19	100

आवृत्ति वितरण तालिका				
Q13.	अध्ययन अवधि	आवृत्ति	**प्रतिशत**	संचयी प्रतिशत
निजी स्कूल (कुल 57	3 घंटा	35	61	61
	5 घंटा	11	19	80
	7 घंटा	7	12	92
	10 घंटा	4	8	100
	15 घंटा	0	0	
पब्लिक (कुल 19 छात्र	3 घंटा	5	26	26
	5 घंटा	3	16	42
	7 घंटा	0	0	42
	10 घंटा	6	32	74
	15 घंटा	5	26	100

टेबल 13 अ- क्षेत्रीय सम्बद्धता के आधार पर और टेबल 13 ब- स्कूल के आधार पर

Year-5 Volume: III, July-September, 2023 Issue-19 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

प्रश्न 13 के जवाब में जहाँ 52 प्रतिशत से ज्यादा बच्चे सप्ताह में 3 घंटे शैक्षणिक विडियो के उपयोग की बात करते हैं वही ग्रामीण स्तर पर ज्यादातर बच्चे औसतन सप्ताह में 12 घंटे शैक्षणिक विडियो देखने की बात कहते हैं.

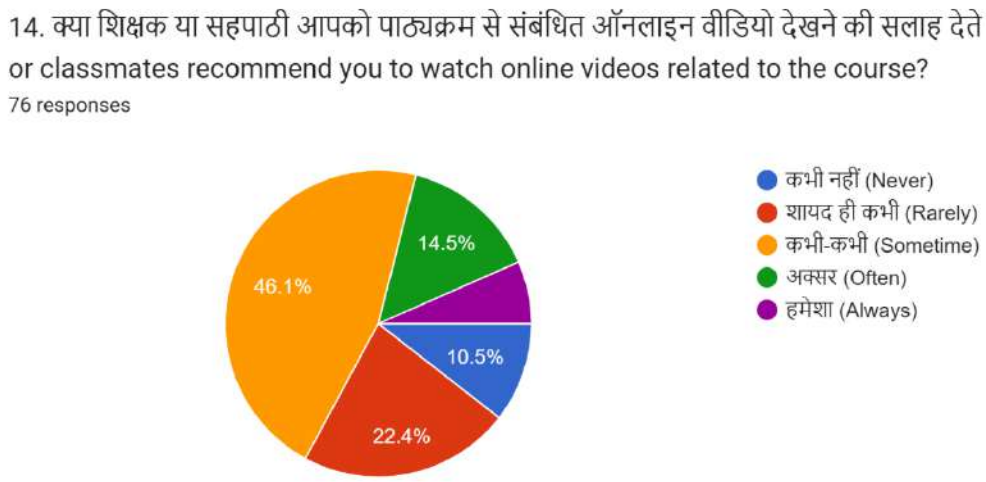

आवृत्ति वितरण तालिका				
Q14.		आवृत्ति	**प्रतिशत**	संचयी प्रतिशत
मेट्रोपोलिटन (कुल 24 छात्र)	क.नहीं	3	12	12
	सा.ही.क.	6	26	38
	क.क.	9	38	76
	अक्सर	3	12	88
	हमेशा	3	12	100
शहर (कुल 31 छात्र)	क.नहीं	4	13	13
	सा.ही.क.	6	19	32
	क.क.	16	52	84
	अक्सर	4	13	97
	हमेशा	1	3	100
गाँव (कुल 21 छात्र)	क.नहीं	1	5	5
	सा.ही.क.	5	24	29
	क.क.	10	47	76
	अक्सर	4	19	95
	हमेशा	1	5	100

आवृत्ति वितरण तालिका				
Q14.		आवृत्ति	**प्रतिशत**	संचयी प्रतिशत
निजी स्कूल (कुल 57	क.नहीं	8	14	14
	सा.ही.क.	12	22	36
	क.क.	26	45	81
	अक्सर	7	12	93
	हमेशा	4	7	100
पब्लिक (कुल 19 छात्र	क.नहीं	0	0	0
	सा.ही.क.	5	26	26
	क.क.	9	47	73
	अक्सर	4	22	95
	हमेशा	1	5	100

Year-5 Volume: III, July-September, 2023 Issue-19 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

टेबल 14 अ- क्षेत्रीय सम्बद्धता के आधार पर और टेबल 14 ब- स्कूल के आधार पर

क्या शिक्षक या सहपाठी शैक्षणिक विडियो देखने की सलाह देते हैं? इसके जवाब में सबसे ज्यादा बच्चों ने कभी-कभी कि बात कही है. जबकि नहीं कि तरफ झुकाव रखने वाले और हाँ की तरफ झुकाव रखने वाले बच्चे लगभग बराबर संख्या में 30-30 प्रतिशत हैं. लेकिन जब स्कूल के स्तर पर देखें तो पता लगता है कि पब्लिक स्कूल के बच्चों को विडियो देखने की सलाह सबसे ज्यादा दी जाती है.

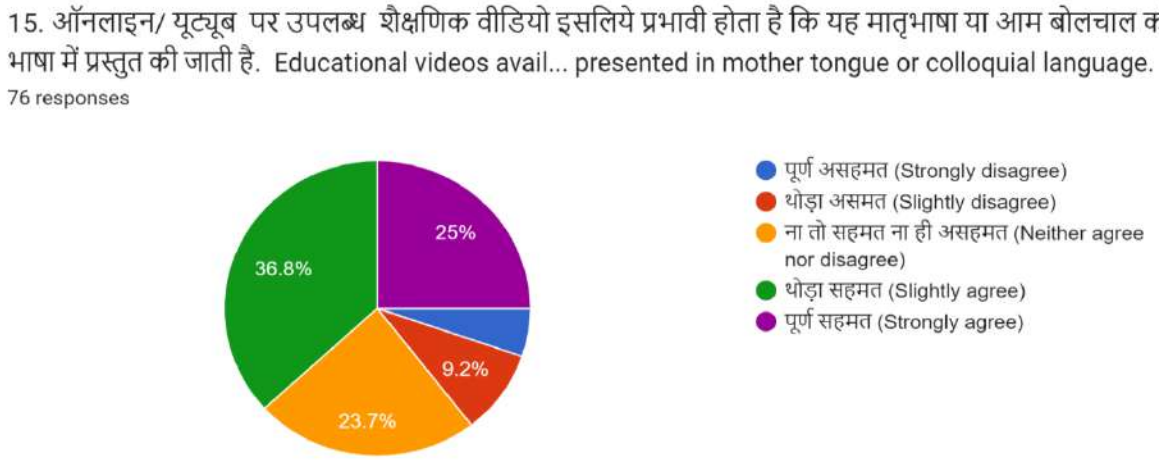

आवृत्ति वितरण तालिका				
Q15.		आवृत्ति	**प्रतिशत**	संचयी प्रतिशत
मेट्रोपोलिटन (कुल 24 छात्र)	पू.अस.	0	0	0
	थो.अस.	2	8	8
	तटस्थ	4	17	25
	थोड़ा स.	13	54	79
	पूर्ण स.	5	21	100
शहर (कुल 31 छात्र)	पू.अस.	3	10	10
	थो.अस.	2	6	16
	तटस्थ	13	42	58
	थोड़ा स.	3	10	68
	पूर्ण स.	10	32	100
गाँव (कुल 21 छात्र)	पू.अस.	1	5	5
	थो.अस.	3	14	19
	तटस्थ	1	5	24
	थोड़ा स.	12	57	81
	पूर्ण स.	4	19	100

आवृत्ति वितरण तालिका				
Q15.		आवृत्ति	**प्रतिशत**	संचयी प्रतिशत
निजी स्कूल (कुल 57	पू.अस.	3	5	5
	थो.अस.	4	7	12
	तटस्थ	17	30	42
	थोड़ा स.	18	32	74
	पूर्ण स.	15	26	100
पब्लिक (कुल 19 छात्र	पू.अस.	1	5	5
	थो.अस.	3	16	21
	तटस्थ	1	5	26
	थोड़ा स.	10	53	79
	पूर्ण स.	4	21	100

टेबल 15 अ- क्षेत्रीय सम्बद्धता के आधार पर और टेबल 15 ब- स्कूल के आधार पर

Year-5 Volume: III, July-September, 2023 Issue-19 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

इस प्रश्न 15 के प्रतिक्रिया में मिले जवाब से यह साबित होता है कि शैक्षणिक विडियो का दर्शकों / पाठकों की उनकी मातृभाषा और आम बोलचाल की भाषा में होना वीडियो की प्रभावशीलता को बढ़ाती है . यह समग्र रूप से प्राप्त डेटा और क्षेत्रीय तथा स्कूल से मिले डेटा से एक सामान रूप जाहिर होता है.

शोध निष्कर्ष

पहले प्रश्न 'यूट्यूब प्लेटफार्म पर विषयगत वीडियो की उलब्धता की स्थिति क्या है?, के अध्ययन उपरांत निष्कर्ष बताता है कि ग्रामीण छात्रों को मेट्रो सिटी और शहरी छात्रों की तुलना में ज्यादा विषय का अध्ययन करना पड़ता है. वहीं मेट्रो सिटी तथा शहर के और निजी स्कुल के छात्र विज्ञान के विषय ज्यादा देखना चाहते हैं जबकि ग्रामीण और पब्लिक स्कुल के छात्र समाजिक विज्ञान के विषय ज्यादा देखना चाहते हैं. इससे यह पता चलता है कि पढ़ाई के विषय को चुनने में समाजिक और आर्थिक फेक्टर की भूमिका होती है. यूट्यूब पर विज्ञान के विषय, समाजिक विज्ञान के विषय से ज्यादा उपलब्ध हैं. शहरी छात्र यूट्यूब पर जहाँ बायजुज जैसे प्रस्तुतकर्ता के विडियो देखता है वही ग्रामीण क्षेत्र के ज्यादातर छात्र सरकारी संस्थान के द्वारा तैयार विडियो को देखता है. इससे पता चलता है कि शिक्षा के इस स्वरुप में सरकारी संस्थानों का होना कितना जरुरी है.

दुसरे प्रश्न 'शैक्षणिक वीडियो छात्रों के लिये कितना उपयोगी और प्रासंगिक है?' के निष्कर्ष में हमने पाया कि ज्यादातर छात्र यूट्यूब पर मौजूद शैक्षणिक विडियो को अतिरिक्त और विस्तृत जानकारी का स्त्रोत समझते हैं. वहीँ शहरी और निजी स्कुल के आधे से ज्यादा छात्र ये मानते हैं कि पाठ्यपुस्तक में विषय से जुडी जानकारी ठीक से वर्णित नहीं होती है जबकि ग्रामीण और पब्लिक स्कुल के छात्र इसके ठीक उलट विचार रखते हैं. इस आधार पर कहा जा सकता है कि शायद अभी भी राज्य स्तरीय टेक्स्टबुक ज्यादा बेहतर सामग्री छात्रों को उपलब्ध करा रहा है. शिक्षकों से जुड़े सवालों के उत्तर बड़े मजेदार हैं! यूँ तो ज्यादातर छात्र शिक्षक की क्षमता पर अपना विश्वास प्रकट करते हैं परन्तु ऐसे छात्रों की संख्या भी कम नहीं है जो इस विश्वास को प्रकट नहीं करते हैं. शहरी और मेट्रो सिटी के छात्र भीर भार वाली कक्षा को एक मुद्दा हैं परन्तु ग्रामीण छात्र ऐसा नहीं मानते हैं.

तीसरे प्रश्न 'स्कूली स्तर के विषय संबंधित वीडियो की स्वीकृति और प्रभावशीलता कितनी है?, के अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि शैक्षणिक विडियो ज्ञान और बुद्धिमता को बढ़ाता है. लगभग दो तिहाई से ज्यादा छात्र, विषय को समझने के लिए अक्सर विडियो देखते हैं. ग्रामीण छात्र जहाँ सप्ताह में 10 घंटे से ज्यादा समय तक विडियो देखता है वही मेट्रो के और शहरी छात्र औसतन 4 घंटे विडियो हर सप्ताह देखता है. यह आकड़ा बताता है कि देश के बड़े और दूरदराज के ग्रामीण इलाकों के लिये शैक्षणिक वीडियो ज्यादा उपयोगी और फलदायक हो सकता है. और इसका एक महत्वपूर्ण कारक है

Year-5 Volume: III, July-September, 2023 Issue-19 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

शैक्षणिक विडियो की भाषा. लगभग हर कोई इस बात को स्वीकार करता है कि शैक्षणिक विडियो का दर्शकों / पाठकों की मातृभाषा और आम बोलचाल की भाषा में होना उसकी प्रभावशीलता को बढ़ाता है.

शोध सीमा और सुझाव

यह शोध तीन अलग अलग क्षेत्रों (जगहों) और निजी तथा पब्लिक स्कूलों में पढ़ने वाले 76 छात्रों पर आधारित है. मेरा सुझाव है कि इस तरह के शोध को भविष्य में और विस्तृत रूप में किया जाना चाहिये. ख़ास कर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों के तुलनात्मक दृष्टि कोण से. ताकि आने वाले समय में शैक्षणिक विडियो कि उपयोगिता और महत्ता को यू-ट्यूब जैसे सोशल मिडिया के संदर्भ में बेहतर ढंग से समझा और समझाया जा सके.

सन्दर्भ

- blog. next thought (2023) https://www.nextthoughtstudios.com/video-production-blog/2017/1/31/why-videos-are-important-in-education
- (Statista, 2022) https://www.statista.com/statistics/265147/number-of-worldwide-internet-users-by-region/
- Prensky, M. (2001) '*Digital natives, Digital Immigrants*' On the Horizon Vol. 9, No. 5; and Tapscott, D. (2008) *Grown Up Digital* New York: McGraw Hill
- *Bates, A. (2005) Technology, e-Learning and Distance Education London/New York: Routledge; Koumi, J. (2006). Designing video and multimedia for open and flexible learning. London: Routledge;*
- *Grabe, M., & Grabe, C. (2007). Integrating technology for meaningful learning (5th ed.). Boston, MA: Houghton Mifflin*
- *Ghavifekr, S., Afshari, M., & Amla Salleh. (2012). Management strategies for E-Learning system as the core component of systemic change: A qualitative analysis. Life Science Journal, 9(3), 2190-2196.*
- KPMG and GOOGLE https://assets.kpmg.com/content/dam/kpmg/in/pdf/2017/05/Online-Education-in-India-2021.pdf
- byjus *How Many Students Use BYJU'S Learning Programs? (byjus.com)*

The Asian Thinker

- *Schmid RF (2014). The effects of technology use in postsecondary education: A meta analysis of classroom applications. Computers & Education*
- *Allen WA and Smith AR (2012). Effects of video podcasting on psychomotor and cognitive performance, attitudes and study behavior of student physical therapists. Innovations in Education and Teaching International*
- Mayer, R. E. (2014). Multimedia instruction. In Handbook of research on educational communications and technology, New York: Springer
- Costley, J., & Lange, C. H. (2017a). The effects of lecture diversity on germane load. International Review of Research in Open and Distributed Learning.
- Molnar, A. (2017). Content type and perceived multimedia quality in mobile learning. Multimedia Tools and Applications
- Heribanova (2011). Intelligibility of cued speech in video. World Academy of Science, Engineering and Technology
- Leacock, T. L., & Nesbi, J. C. (2007). A framework for evaluating the quality of multimedia learning resources. Journal of Educational Technology & Society
- Guo, (2014). How video production affects student engagement: an empirical study of MOOC videos. In Proceedings of the First ACM Conference on Learning @ Scale Conference, New York: ACM.
- Miaz, Y., Kenedi, A. K., Monafajri, W. S., & Helsa, Y. (2019). Educative Learning Media for Elementary School Students. Advanced In Social Science, Education And Humanities Research
- Puspitarini Dwi Yanuari, And Haniff. M. (2019). Using Learning Media to Increase Learning Motivation in Elementary School. Anatolian Journal of Education
- Cahyati, S. S., Parmawati, A., & Atmawidjaja, N. S. (2019). Optimizing English Teaching And Learning Process To Young Learners (A Case Study In Cimahi). Journal Of Educational Experts (Jee).

The Asian Thinker

- Utami, M. S., Fauziati, E. (2019). English Instructional Materials For The Integrated Islamic Elementary School (Sdit). Journal Of Teaching& Learning English Iin Multicultural Contexts (Tlmec)
- Isry Laila Syathroh, Bachrudin Musthafa, (2019). Providing Teaching Resources For Young Learner Classes: Best Practices In Efl Context Isry Laila Syathroh

The Asian Thinker